

मेरी माँ के लिए कुर्सी

A CHAIR FOR MY MOTHER



वेरा बी. विलिअम्स

*Vera B. Williams*

SCHOLASTIC

# मेरी माँ के लिए कुर्सी

वेरा बी. विलिअम्स  
हिंदी अनुवाद : विदूषक

## A Chair for My Mother

*by Vera B. Williams*

SCHOLASTIC INC.  
New York Toronto London Auckland Sydney





मेरी माँ - रेबेका पोरिन्गेर बेकर की याद को समर्पित



to the memory of my mother, Rebecca Poringer Baker

ब्लू टाइल डाय्नेर





**M**y mother works as a waitress in the Blue Tile Diner.

After school sometimes I go to meet her there. Then her boss Josephine gives me a job too.

I wash the salts and peppers and fill the ketchups. One time I peeled all the onions for the onion soup. When I finish, Josephine says, "Good work, honey," and pays me. And every time, I put half of my money into the jar.

मेरी माँ ब्लू टाइल डाईनर नाम के रेस्तरां में वेटर का काम करती हैं. स्कूल छूटने के बाद मैं वहां अक्सर उनसे मिलने जाती हूँ. तब रेस्तरां की मालकिन जोसेफिन मुझे भी कुछ काम पकड़ा देती हैं.

मैं नमकदानियों में नमक-मिर्च भरती हूँ. प्याज़ के सूप के लिए मैं प्याज़ के ढेर को छील कर रखती हूँ. काम खत्म करने पर जोसेफिन मुझसे कहती हैं, "शाबाश, अच्छा काम किया," और फिर मुझे कुछ पैसे भी देती हैं. मुझे जो पैसे मिलते हैं उनमें से आधे मैं हमेशा अपने गुल्लक में डालती हूँ.







It takes a long time to fill a jar this big. Every day when my mother comes home from work, I take down the jar. My mama empties all her change from tips out of her purse for me to count. Then we push all of the coins into the jar.

Sometimes my mama is laughing when she comes home from work. Sometimes she's so tired she falls asleep while I count the money out into piles. Some days she has lots of tips. Some days she has only a little. Then she looks worried. But each evening every single shiny coin goes into the jar.

गुल्लक क्यूँकि बहुत बड़ा है, इसलिए उसे भरने में बहुत समय लगता है. हर रोज़ माँ के काम से वापिस आने के बाद मैं अपने गुल्लक को नीचे उतारती हूँ. माँ दिन की सारी बखशीश अपने पर्स से बाहर निकालती हैं जिससे कि मैं सिक्कों को गिन सकूँ. फिर हम मिलकर सब सिक्कों को गुल्लक में डालते हैं.

कभी-कभी मेरी माँ काम से हँसते हुए लौटती हैं. कभी-कभी वो इतनी थकी होती हैं कि जब मैं सिक्कों की ढेरी बना रही होती हूँ तभी वो सो जाती हैं. किसी दिन उन्हें बहुत बखशीश मिलती है. पर किसी दिन उनकी कमाई बहुत कम होती है. तब वो चिंतित होती हैं. पर हरेक शाम सारे सिक्के एक-एक करके मेरे गुल्लक में जाते हैं.







We sit in the kitchen to count the tips. Usually Grandma sits with us too. While we count, she likes to hum. Often she has money in her old leather wallet for us. Whenever she gets a good bargain on tomatoes or bananas or something she buys, she puts by the savings and they go into the jar.

हम लोग किचिन में बैठकर ही बखशीश गिनते हैं. तब नानी भी हमारे साथ होती हैं. जब हम गिनते हैं तो नानी गुनगुनाती हैं. अक्सर उनके पुराने चमड़े के पर्स में हमारे लिए कुछ पैसे होते हैं. जब कभी वो सस्ते में टमाटर, केले या कुछ और खरीदती हैं, और कुछ पैसे बचाती हैं तो वे सिक्के भी मेरे गुल्लक में चले जाते हैं.







When we can't get a single other coin into the jar, we are going to take out all the money and go and buy a chair.

Yes, a chair. A wonderful, beautiful, fat, soft armchair. We will get one covered in velvet with roses all over it. We are going to get the best chair in the whole world.

That is because our old chairs burned up. There was a big fire in our other house. All our chairs burned. So did our sofa and so did everything else. That wasn't such a long time ago.

जब मेरा गुल्लक ऊपर तक पूरा भर जाएगा, तब हम उसमें से सारे पैसे निकालेंगे, और उनसे एक कुर्सी खरीदेंगे.

हाँ, एक कुर्सी. एक सुन्दर, खूबसूरत, बड़ी और मुलायम कुर्सी. हम उस पर गुलाब के लाल फूलों वाला रेशमी कवर चढ़ाएंगे. हम दुनिया की सबसे अच्छी कुर्सी खरीदकर लाएंगे.

क्यूं? क्यूंकि हमारी पुरानी सारी कुर्सियां जल कर खाक हो गयीं. हमारे पहले घर में भयानक आग लगी थी. उसमें सारी कुर्सियां स्वाहा हो गयीं थीं. सोफे के साथ-साथ बाकी सबकुछ भी जल गया. यह घटना कुछ दिन पहले ही घटी थी.







**M**y mother and I were coming home from buying new shoes. I had new sandals. She had new pumps. We were walking to our house from the bus. We were looking at everyone's tulips. She was saying she liked red tulips and I was saying I liked yellow ones. Then we came to our block.

तब माँ और मैं ,बाज़ार से नए जूते खरीदकर वापिस आ रहे थे. मैं नयी सैंडिल पहने थी. माँ ने नए जूते खरीदे थे. हम बस से उतरकर वापिस घर आ रहे थे. हम बाकी घरों में लगे सुन्दर फूलों को निहार रहे थे. माँ को लाल रंग के फूल पसंद थे, पर मुझे पीले रंग के फूल ज्यादा अच्छे लगते थे. तभी हम अपनी बिल्डिंग के पास पहुंचे.







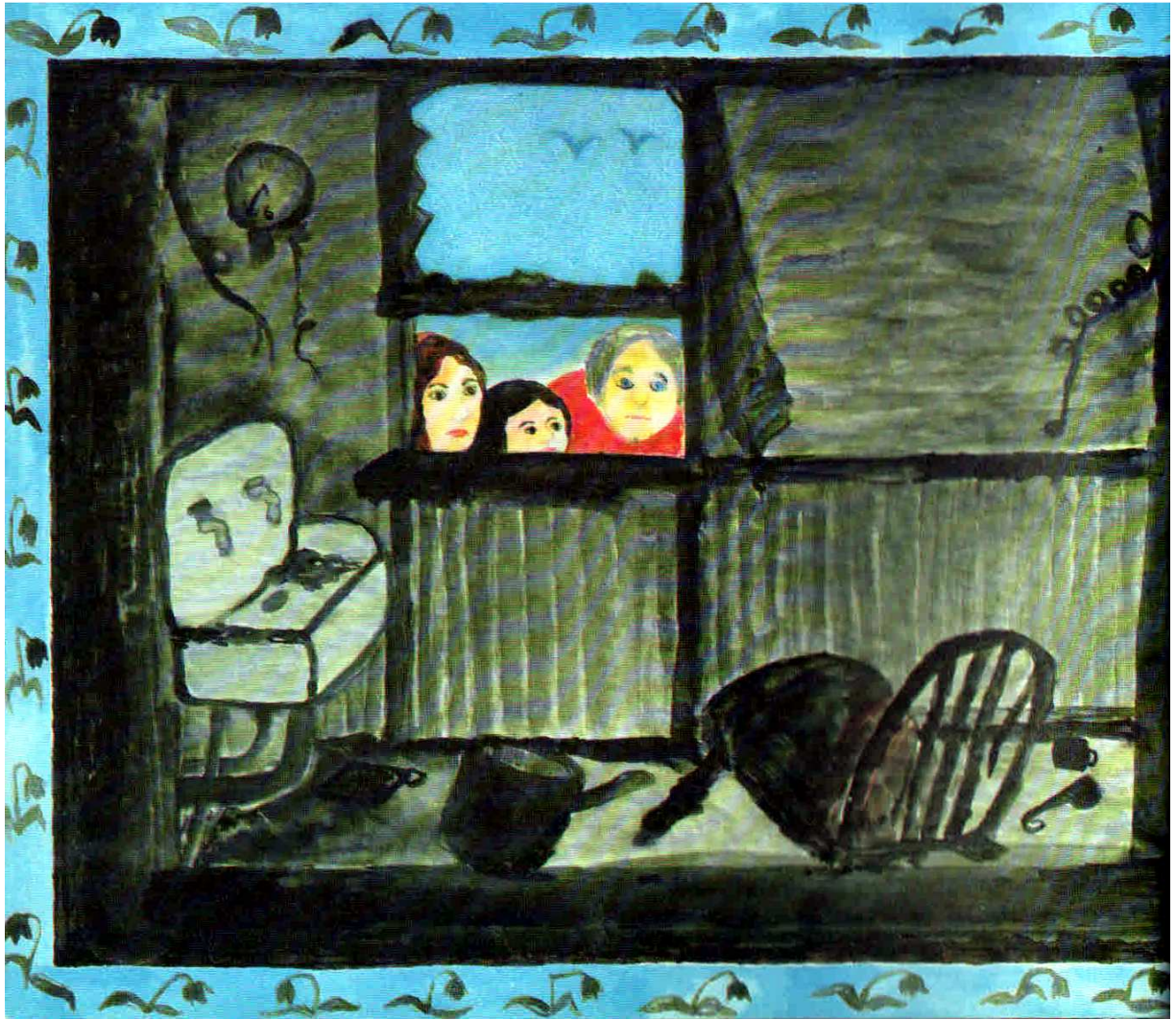
Right outside our house stood two big fire engines. I could see lots of smoke. Tall orange flames came out of the roof. All the neighbors stood in a bunch across the street. Mama grabbed my hand and we ran. My uncle Sandy saw us and ran to us. Mama yelled, "Where's Mother?" I yelled, "Where's my grandma?" My aunt Ida waved and shouted, "She's here, she's here. She's O.K. Don't worry."

Grandma was all right. Our cat was safe too, though it took a while to find her. But everything else in our whole house was spoiled.

हमारे घर के बिलकुल सामने फायर-ब्रिगेड की दो बड़ी गाड़ियाँ खड़ी थीं. मुझे दूर से ही धुएं के बादल दिखाई दिए. छत से लाल लपटें बाहर निकल रही थीं. सारे पड़ोसी सड़क पर एक झुण्ड में इकट्ठे हुए थे. माँ ने मेरा हाथ कसकर पकड़ा और हम दोनों भागे. मेरे मौसा सैंडी ने हमें देखा और वो दौड़ते हुए हमारे पास आए. माँ ने चिल्लाकर पूछा, "माँ कहाँ हैं?" मैं भी चीखी, "नानी कहाँ हैं?" तब मेरी मौसा आइडा ने हाथ हिलाते हुए कहा, "वो यहाँ पर हैं, देखो यहाँ पर. वो बिलकुल ठीक-ठाक हैं. फ़िक्र मत करो."

नानी अच्छी-भली थीं. हमारी बिल्ली भी सुरक्षित थी. वैसे उसे खोजने में हमें कुछ वक्त लगा. पर घर का बाकी सब सामान जलकर खाक हो गया था.





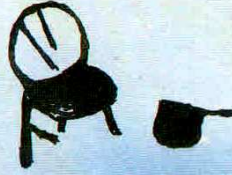


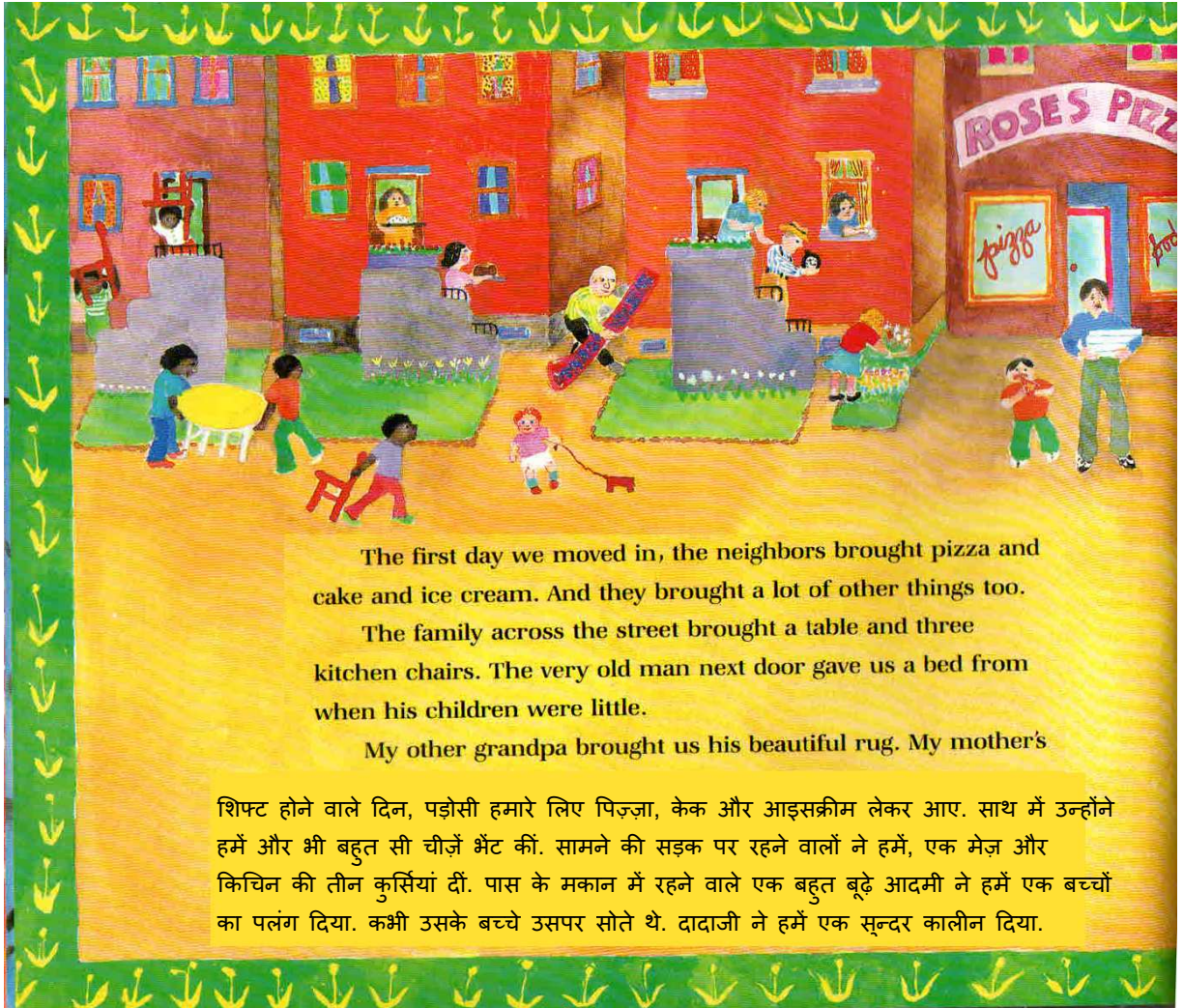
What was left of the house was turned to charcoal and ashes.

We went to stay with my mother's sister Aunt Ida and Uncle Sandy. Then we were able to move into the apartment downstairs. We painted the walls yellow. The floors were all shiny. But the rooms were very empty.

जहाँ कभी हमारे सपनों का घर था, वहाँ अब कोयले के टुकड़े और राख ही बची थी।

फिर हम माँ की बहन, आइडा मौसी और सैंडी मौसा के घर रहने गए। फिर कुछ दिनों के बाद हम नीचे के घर में शिफ्ट हुए। हमने दीवारों को पीला रंगा। वहाँ का फर्श और चिकना-चमकीला था। पर सारे कमरे एकदम खाली थे।





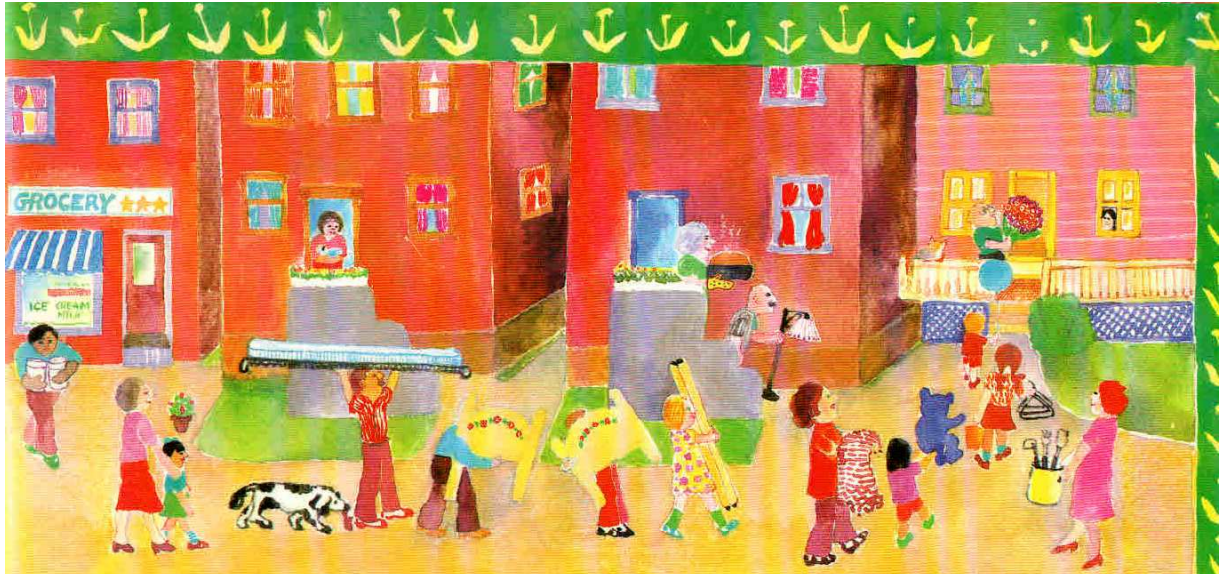
The first day we moved in, the neighbors brought pizza and cake and ice cream. And they brought a lot of other things too.

The family across the street brought a table and three kitchen chairs. The very old man next door gave us a bed from when his children were little.

My other grandpa brought us his beautiful rug. My mother's

शिफ्ट होने वाले दिन, पड़ोसी हमारे लिए पिज़्ज़ा, केक और आइसक्रीम लेकर आए. साथ में उन्होंने हमें और भी बहुत सी चीज़ें भेंट कीं. सामने की सड़क पर रहने वालों ने हमें, एक मेज़ और किचिन की तीन कुर्सियां दीं. पास के मकान में रहने वाले एक बहुत बूढ़े आदमी ने हमें एक बच्चों का पलंग दिया. कभी उसके बच्चे उसपर सोते थे. दादाजी ने हमें एक सुन्दर कालीन दिया.





other sister, Sally, had made us red and white curtains. Mama's boss, Josephine, brought pots and pans, silverware and dishes. My cousin brought me her own stuffed bear.

Everyone clapped when my grandma made a speech. "You are all the kindest people," she said, "and we thank you very, very much. It's lucky we're young and can start all over."

माँ की दूसरी बहन सैली ने हमें लाल और सफ़ेद रंग के परदे दिए. माँ की बॉस जोसेफीन ने, किचिन में खाना पकाने के बर्तन और खाने के लिए प्लेट-प्याले दिए. चाचा की लड़की ने खेलने के लिए मुझे अपना एकलौता स्टफ़ड भालू दिया. जब नानी ने लोगों को उनकी मेहरबानी के लिए धन्यवाद दिया तो सबने जोर से तालियाँ बजायीं. "आप लोग बहुत दयालु हैं," उन्होंने कहा, "और हम आपका तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हैं. गनीमत है कि हम अभी भी कम-उम्र हैं और फिर से अपनी ज़िन्दगी शुरू कर सकते हैं."





**T**hat was last year, but we still have no sofa and no big chairs. When Mama comes home, her feet hurt. "There's no good place for me to take a load off my feet," she says. When Grandma wants to sit back and hum and cut up potatoes, she has to get as comfortable as she can on a hard kitchen chair.

So that is how come Mama brought home the biggest jar she could find at the diner and all the coins started to go into the jar.

Now the jar is too heavy for me to lift down. Uncle Sandy gave me a quarter. He had to boost me up so I could put it in.

अब इस हादसे को एक साल बीत गया है, पर अभी भी हमारे पास न तो कोई सोफा, और न ही कोई बड़ी कुर्सी है. जब माँ काम से वापिस आती हैं, तो दिन भर खड़े रहने के कारण उनके पैर दुखते हैं. "यहाँ कोई ऐसी जगह नहीं है जहाँ मैं बैठकर अपने पैरों की थकान उतार सकूँ," वो कहती हैं. जब नानी आराम से बैठ कर गुनगुनाते हुए आलू छीलती हैं तो उनके लिए किचिन की सख्त कुर्सी पर बैठने के अलावा और कोई चारा नहीं बचता है.

दुर्घटना के बाद ही माँ, सबसे बाज़ार से सबसे बड़ा गुल्लक खरीद कर लायीं. गुल्लक क्या था - वो एक बड़े कांच की मर्तबान था. उसी में सारे सिक्के जाते हैं. अब गुल्लक ऊपर तक भर चुका था. वो इतना भारी था कि मुझसे उठता तक नहीं था. एकदिन सैंडी मौसा ने मुझे एक सिक्का दिया. उन्होंने मुझे पकड़कर उठाया जिससे कि मैं गुल्लक में सिक्का डाल सकूँ.







After supper Mama and Grandma and I stood in front of the jar. "Well, I never would have believed it, but I guess it's full." Mama said.

My mother brought home little paper wrappers for the nickels and the dimes and the quarters. I counted them all out and wrapped them all up.

On my mother's day off, we took all the coins to the bank. The bank exchanged them for ten-dollar bills. Then we took the bus downtown to shop for our chair.

रात के खाने के बाद माँ, नानी और मैं गुल्लक के पास खड़े हुए।  
"यकीन तो नहीं होता, पर आखिर यह गुल्लक भर ही गया," माँ ने कहा।  
माँ, छोटे, मंझले और बड़ी कीमत के सिक्कों के लिए अलग-अलग रंग के कागज़ लेकर आयीं। फिर मैंने सिक्कों को छांटकर उनकी अलग-अलग ढेरियाँ बनायीं। उसके बाद मैंने उन्हें अलग-अलग रंगीन कागज़ों में लपेटा।  
जिस दिन माँ की छुट्टी थी उस दिन हम सिक्कों को बैंक में लेकर गए। बैंक ने सिक्कों के बदले हमें दस-दस डॉलर के नोट दिए। फिर हम बस में बैठकर कुर्सी खरीदने गए।









Finally we found the chair we were all dreaming of. And the money in the jar was enough to pay for it. We called Aunt Ida and Uncle Sandy. They came right down in their pickup truck to drive the chair home for us. They knew we couldn't wait for it to be delivered.

अंत में हमें अपने सपनों की कुर्सी मिल ही गयी! गुल्लक में इकट्ठे पैसों से वो खरीदी भी जा सकती थी. हमने आइडा मौसी और सैंडी मौसा को भी फोन करके बुलाया. वो अपने पिक-अप ट्रक में आए, जिससे की वो हमें कुर्सी समेत घर तक छोड़ सकें. वो जानते थे कि हम कुर्सी को घर लाने के लिए कितने बेचैन थे!







I tried out our chair in the back of the truck. Mama wouldn't let me sit there while we drove. But they let me sit in it while they carried it up to the door:

मैं पिक-अप ट्रक के पीछे लदी कुर्सी पर जाकर बैठ गयी. पर माँ ने मुझे चलते ट्रक में कुर्सी पर बैठे रहने की इजाज़त नहीं दी. पर जब कुर्सी ट्रक से, घर के दरवाज़े तक ले जाई जा रही थी तब मुझे कुर्सी पर बैठने की अनुमति मिल गयी.







We set the chair right beside the window with the red and white curtains. Grandma and Mama and I all sat in it while Aunt Ida took our picture.

Now Grandma sits in it and talks with people going by in the daytime. Mama sits down and watches the news on TV when she comes home from her job. After supper, I sit with her and she can reach right up and turn out the light if I fall asleep in her lap.

हमने कुर्सी को एकदम खिड़की के पास रखा. वहीं लाल और सफ़ेद परदे टंगे थे. फिर नानी, माँ और मैं कुर्सी पर आराम से बैठे. इस मौके पर आइडा मौसी ने हमारी फोटो खींची.

अब दिन भर नानी कुर्सी पर बैठती हैं और घर के बाहर आते-जाते लोगों से बतियाती हैं. जब माँ काम से थकी मांदा वापिस लौटती हैं तो वो कुर्सी पर बैठकर टीवी पर समाचार देखती हैं. रात के खाने के बाद मैं कुर्सी पर उनकी गोदी में आकर बैठ जाती हूँ. और जब मैं लेटे-लेटे सो जाती हूँ तो वो वहीं बैठे-बैठे स्विच दबाकर लाइट बंद कर देती हैं.







18402